Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ______________________

   (Name) ______________________

2. (Signature) ______________________

   (Name) ______________________

OMR Sheet No. : ....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ______________________

(In words)

D 1 8 1 5

PAPER - II
MAITHILI

Time : 1¼ hours] **[Maximum Marks : 100**

Number of Pages in this Booklet : **8** | Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.

   Example : ① ② ● ④ where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There are no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।

   उदाहरण : ① ② ● ④ जबकि (3) सही उत्तर है।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं। यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिन्हांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें। हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं।**

MAITHILI
मैथिली
PAPER - II
प्रश्नपत्र – II

Note : This paper contains **fifty (50)** multiple-choice questions, each question carrying **two (2)** marks. Attempt **all** the questions.

नोट : एहि प्रश्नपत्रमे **पचास (50)** बहु–विकल्पीय प्रश्न अछि। प्रत्येक प्रश्नक **दू (2)** अंक निर्धारित अछि। **सभ** प्रश्नक उत्तर देबाक अछि।

1. 'कतेक डारि पर' लिखने छथि :
   (1) सुरेश्वर झा (2) रमाकान्त मिश्र
   (3) मुरारि मधुसूदन ठाकुर (4) मंत्रेश्वर झा

2. 'जीवन यात्रा' अछि :
   (1) उपन्यास (2) संस्मरण (3) यात्रा–साहित्य (4) रिपोर्ताज

3. 'घुरि आउ मान्या' क रचनाकार छथि :
   (1) विद्यानाथ झा 'विदित' (2) मधुकान्त झा
   (3) श्याम दरिहरे (4) केदारनाथ चौधरी

4. 'कथा कोष' क सम्पादक छथि :
   (1) मेघन प्रसाद (2) देवशंकर नवीन (3) मनीष अरविन्द (4) गजेन्द्र ठाकुर

5. 'सरोकार' लिखने छथि :
   (1) रवीन्द्र कुमार चौधरी (2) बिनोद बिहारी लाल
   (3) प्रदीप बिहारी (4) हीरेन्द्र कुमार झा

6. 'काव्य वाटिका' क रचयिता छथि :
   (1) सियाराम झा 'सरस' (2) रमण झा
   (3) विवेकानन्द ठाकुर (4) शिव कुमार झा 'टिल्लू'

7. 'हमरा बीच विज्ञान' रचना थिक :
   (1) धीरेन्द्र कुमार झाक (2) नित्यानन्द लाल दासक
   (3) रमानन्द झा 'रमण' क (4) गिरिजानन्द झा 'अर्द्धनारीश्वर' क

8. 'भाषा सम्मान' सँ सम्मानित छथि :

(1) जगदीश मिश्र (2) उमारमण झा (3) मुनीश्वर झा (4) किशोरनाथ झा

9. 'विनीत' उपनाम छनि :

(1) रमानन्द लाल दासक (2) जय नारायण झाक (3) बिलट पासवानक (4) भोलानाथ झाक

10. 'मैथिली भाषाशास्त्र' क लेखक छथि :

(1) केष्कर ठाकुर (2) पंचानन मिश्र (3) बुचरु पासवान (4) धीरेन्द्र नाथ मिश्र

11. असंगत नाटक 'हमरा देशक भागमे' लिखने छथि :

(1) अशोक अविचल (2) कमल मोहन 'चुन्नू'

(3) महेन्द्र मलंगिया (4) विनोद कुमार मिश्र 'बन्धु'

12. सुधाकर झा 'शास्त्री' पर विनिबन्ध लिखने छथि :

(1) वीरेन्द्र मल्लिक (2) महेन्द्र झा (3) देवेन्द्र झा (4) भीमनाथ झा

13. भाषा विज्ञान विषयक पोथीक सम्पादन कएने छथि :

(1) राम नरेश सिंह (2) प्रमोद कुमार पाण्डेय (3) राम सेवक सिंह (4) वीरेन्द्र झा

14. "__________ धवल त्रयोदश जान" क रिक्त स्थानमे होएत :

(1) आसिन (2) फागुन (3) कार्तिक (4) साओन

15. 'सूत्रधार' क प्रयोग होइत अछि :

(1) नाटकमे (2) महाकाव्यमे (3) मुक्तक काव्यमे (4) खण्डकाव्यमे

16. "वाक्यं रसात्मकं काव्यम्" कहने छथि :

(1) धनञ्जय (2) विश्वनाथ (3) जगन्नाथ (4) वामन

17. "काव्यं यशसेऽर्थकृते __________" कहने छथि :

(1) आनन्दवर्द्धन (2) भामह (3) मम्मट (4) रुद्रट

18. 'प्रतिभा' थिक :

(1) काव्यक कारण (2) काव्यक प्रयोजन (3) शब्दशक्तिक भेद (4) रसक स्थायी भाव

19. 'उपरूपक' क भेद होइत अछि :

(1) 15 (2) 16 (3) 17 (4) 18

20. ‘वर्णवृत्त’ होइछ :
(1) अलंकारक भेद (2) छन्दक भेद (3) रसक भेद (4) ध्वनिक भेद

21. वीर रसक स्थायी भाव थिक :
(1) जुगुप्सा (2) रति (3) उत्साह (4) हास्य

22. ‘ओज’ थिक :
(1) रीतिक भेद (2) रूपकक भेद (3) शब्दशक्तिक भेद (4) गुणक भेद

23. ‘वैदर्भी’ थिक :
(1) सर्वनामक भेद (2) रीतिक भेद (3) क्रियाक भेद (4) औचित्यक भेद

24. ‘‘अम्ब चरण भज, जनिक मन अपराधहु नहि रोष।
खर्चहु कएने नहि घटए, जनिक दयामय कोष।।’’ मे अलंकार अछि :
(1) विशेषोक्ति (2) श्लेष (3) दृष्टान्त (4) दीपक

25. जतए उपमेयमे उपमानक सम्भावना व्यक्त कएल जाइछ, ओतए अलंकार होइछ :
(1) उपमा (2) रूपक (3) उत्प्रेक्षा (4) सन्देह

26. समालोचकक उत्तम गुण थिक :
(1) गुण-कथन (2) तटस्थता (3) दोष-दर्शन (4) छिद्रान्वेषण

27. ‘बौद्धगानमे तांत्रिक सिद्धान्त’क लेखक छथि :
(1) जयधारी सिंह (2) बुद्धिधारी सिंह (3) शशिनाथ झा (4) बच्चा ठाकुर

28. सिद्धाचार्यक संख्या कहल जाइत अछि :
(1) 80 (2) 82 (3) 83 (4) 84

29. ‘रामविजय’ थिक :
(1) कीर्त्तनिया नाट (2) मिथिलाक नाटक (3) अंकीया नाट (4) नेपालीय नाटक

30. लोचनकृत थिक :
(1) व्याड़ि भक्ति तरंगिणी (2) राग तरंगिणी
(3) दुर्गा भक्ति तरंगिणी (4) राज तरंगिणी

31. भाषा-परिवर्त्तनक प्रकार अछि :
(1) ध्वनिमूलक (2) व्यवहारमूलक (3) प्रकृतिमूलक (4) आकृतिमूलक

32. 'अरिपन' शब्द थिक :
(1) तत्सम (2) तद्‌भव (3) देशज (4) विदेशज

33. 'व' क उच्चारण - स्थल थिक :
(1) दाँत (2) कंठ (3) ठोर (4) दाँत आ ठोर

34. 'राजपुत्र' मे समास अछि :
(1) तत्पुरुष (2) द्वन्द्व (3) बहुब्रीहि (4) द्विगु

35. 'हाक डाक' क अभिप्राय अछि :
(1) हरकारा (2) डाकवचन (3) अकाल मृत्यु (4) सोर करब

36. 'कुमार' उपन्यास लिखने छथि :
(1) योगानन्द झा (2) लोकनाथ मिश्र
(3) ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्‌म' (4) उपेन्द्र नाथ झा 'व्यास'

37. 'गणनायक' कथासंग्रह छनि :
(1) गंगेश गुंजनक (2) सुभाष चन्द्र यादवक
(3) साकेतानन्दक (4) शिव शंकर श्रीनिवासक

38. 'नाचू हे पृथ्वी' संग्रह छनि :
(1) कीर्ति नारायण मिश्रक (2) जीवकान्तक
(3) उदय चन्द्र झा 'विनोद' क (4) मार्कण्डेय प्रवासीक

39. 'अलख निरंजन' नाटक लिखने छथि :
(1) भाग्य नारायण झा (2) किशोरी यादव
(3) लल्लन प्रसाद ठाकुर (4) अरविन्द अक्कू

40. 'किछु देखल : किछु सुनल' क लेखक छथि :
(1) लक्ष्मीपति सिंह (2) गिरीन्द्र मोहन मिश्र
(3) चेतकर झा (4) नगेन्द्र कुमर

41. 'पांचाली परिणय' क रचनाकार छथि :

(1) चन्द्रभानु सिंह (2) महिनाथ झा

(3) दयाकान्त झा (4) मतिनाथ मिश्र

42. 'उत्सर्ग' लिखने छथि :

(1) रवीन्द्रनाथ ठाकुर (2) लक्ष्मण झा

(3) मथुरानन्द चौधरी 'माथुर' (4) दामोदर लालदास

43. 'मैथिली महाकाव्यक उद्‌भव ओ विकास' क लेखक छथि :

(1) शिवशंकर झा 'कान्त' (2) प्रभावती झा

(3) इन्दिरा झा (4) लक्ष्मण चौधरी 'ललित'

44. राजनन्दन लालदास सम्पादक छथि :

(1) 'गामघर' क (2) 'आँगन' क

(3) 'कर्णामृत' क (4) 'झारखंडक सनेस' क

45. 'मैथिली लोकगाथा विवेचन' क रचयिता छथि :

(1) शिव प्रसाद यादव (2) विश्वेश्वर मिश्र

(3) प्रफुल्ल कुमार सिंह 'मौन' (4) राजेश्वर झा

निर्देश : निम्न गद्यांशकेँ ध्यानपूर्वक पढ़ि ओहिसँ सम्बद्ध प्रश्नावली (प्रश्न संख्या **46** सँ **50**) क उत्तर देबाक लेल बहु-विकल्पसँ सही विकल्पक चयन करू :

भारतीय संस्कृति एवं साहित्यक अमित विस्तारमे श्रीकृष्णक व्यक्तित्व सर्वाधिक मनोहारी अछि। साहित्य सृजनक लेल त जेना हिनक चारित्र्यज्ञान रसविचित्रता ओ रससमृद्धिक स्रोत सिद्ध भेल अछि। मैथिल कोकिल विद्यापतिक काव्यक तँ ई प्रेरणापुञ्ज रहलथिन एवं हिनकहि जीवन रसक निक्षेप ल' ओ मैथिलीक साहित्यक अभिषेक करबामे सफल भेलाह। लीला-पुरुषोत्तमक चरित्रक अवलम्बनक', विद्यापति जाहि काव्यपरम्पराक श्रीगणेश कयलनि से अपन विदग्ध माधुरी एवं गूढ़ गम्भीर प्रेमप्रणवतासँ जनमानसकेँ आप्लावित क' देलक। परवर्ती कविलोकनिक लेल विद्यापतिए मूलाधार रहलथिन जनिक काव्यसँ प्रेरणा ग्रहण क' कृष्णकलीला-गानक रूपमे, जीवनक रसात्मक आनन्द-निर्झर अपन कलकल स्वरसँ गतिशील रहल। मुदा एतेक अवश्य जे कृष्णक लीला माधुर्यक एहि जयगानमे धर्मक प्रेरणा सामान्य एवं काव्यप्रेरणाक प्रमुखता अनुभव होइछ। ताहि दृष्टिएँ मनबोध मैथिली-साहित्यक युगान्तकारी व्यक्ति छथि। हिनक 'कृष्णजन्म' द्वारा मैथिली कृष्ण-काव्यमे नव दृष्टिक उन्मेष होइत अछि। ई काव्य केवल एहि लेल नब नहि छल जे मनबोध प्रचलित गीतिकाव्यकेँ छोड़ि 'विशुद्ध लोकभाषामे' शृंगार रस शूल्य, भक्ति रसमय एक छन्दमे जे राग-ताल प्रभृति गीतक विषयसँ रहित अछि, अपन एक गोट नूतन शैलीमे रचना कयलनि'' अपितु एहि मध्य ओ कृष्णक जाहि प्रकृति प्रेमीक चित्रांकन कयल जा रहल छल ताहि दिससँ मन हटाक' मनबोध हुनक नव मूर्ति गढ़लनि, आदर्श एवं गरिमासँ समन्वित हुनकर नव छवि अजमओलनि। विद्यापतिक प्रणय-पिपासु नायक कृष्ण मनबोधक काव्यमे सामाजिक जीवनक अभिन्न अंग बनि प्रकट होइत छथि। एहि लेल कवि प्रारम्भमे हुनक बालस्वरूपक मनोहारी रूपांकन क' फेर हुनकर लोकोपकारी ओ लोकसंग्रही रूपकेँ दर्शोने छथि।

46. विद्यापतिक काव्यक ई रहलथिन :

(1) शक्तिपुञ्ज (2) प्रेरणापुञ्ज (3) ज्ञानपुञ्ज (4) ध्यानपुञ्ज

47. जनमानसकेँ आप्लावित क' देलक :

(1) दृढ़ गम्भीर प्रेमप्रवलतासँ (2) गूढ़ गम्भीर प्रेमप्रवणतासँ

(3) भाव शवलतासँ (4) प्रेम विरलतासँ

48. जीवनक रसात्मक आनन्द-निर्झर गतिशील रहल :

(1) कलकल स्वरसँ (2) छलछल अश्रुसँ

(3) पलपल स्मरणसँ (4) निश्छल प्रेमसँ

49. मैथिली-साहित्यक युगान्तकारी व्यक्ति छथि :

(1) विद्यापति (2) उमापति (3) मनबोध (4) चन्दा झा

50. कृष्ण अभिन्न अंग बनि प्रकट होइत छथि :

(1) राष्ट्रीय जीवनक (2) सामाजिक जीवनक

(3) पारिवारिक जीवनक (4) सांस्कृतिक जीवनक

- o 0 o -

Prep Your Personal Exam Guide

Space For Rough Work

Prepp
Your Personal Exam Guide